दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 13-12-2025

# रासेयो की सात दिवसीय शिविर का हुआ समापन

कुकदूर| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत लिमहईपुर में हुआ। इसका समापन हो गया है। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच तीजन बाई मरकाम, विशिष्ट अतिथि संतोष पोरते, नील कुमार, श्याम, अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अखिलेश चंद्र वर्मा, मंच संचालन रामरती निषाद, डॉ.रामभरोस साहू ने किया। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों में नुक्कड़ नाटक, नृत्य व संगीत के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया। अतिथियों ने उक्त कार्यक्रम में स्वयं सेवकों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा किया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 21-01-2026

नवाचार को बढ़ावा देने की पहल • कुई-कुकदूर कॉलेज में आईक्यूएसी का गठन किया

# शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने कवर्धा-मुंगेली के चार कॉलेजों से एमओयू किया गया

भास्कर न्यूज | कुकदूर

कॉलेज में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने की दिशा में शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का गठन किया गया है।

इसका उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निरंतर सुधार, नवाचार को बढ़ावा देना और शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। आईक्यूएसी गठन के साथ ही राज्य के 4 प्रमुख शासकीय कॉलेज आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब शासकीय पीजी कॉलेज कवर्धा, इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय पंडरिया (जिला कबीरधाम), शासकीय जेपीएम महाविद्यालय मुंगेली और शासकीय एसएनजी महाविद्यालय मुंगेली के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कॉलेजों के मानव संसाधनों का साझा उपयोग, प्रयोगशालाओं व अन्य भौतिक संसाधनों का बेहतर और प्रभावी उपयोग छात्रहित में करना है। इससे स्टूडेंट्स को उन्नत शैक्षणिक सुविधाएं, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सकेगा।

आईक्यूएसी के अध्यक्ष कुई- कुकदूर कॉलेज के प्राचार्य जीए घनश्याम बनाए गए हैं। वहीं रामरती निषाद को समन्वयक नियुक्त किया गया है। आंतरिक सदस्यों में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अखिलेश चंद्र वर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत और अतिथि व्याख्याता शामिल हैं।

## छात्रों को उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध का अधिक अवसर मिलेगा

कुकदूर. कवर्धा व मुंगेली के 4 कॉलेजों के साथ एमओयू हुआ, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

### समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा

आईक्यूएसी का प्रमुख लक्ष्य महाविद्यालय में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, शोध अभिक्षमता का विकास, नवाचार आधारित शिक्षा को प्रोत्साहन देना है। साथ ही संस्थागत विकास के लिए सतत गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करना है। यह प्रकोष्ठ शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी कर गुणवत्ता मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्य करेगा। प्रबंधकीय और प्रशासनिक सहभागिता को मजबूत करते हुए जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सोनू सलूजा, सीएचसी कुकदूर प्रभारी डॉ. प्रासंगिना साधु, कुकदूर टीआई संग्राम सिंह और कुकदूर हाईस्कूल प्राचार्य आरके धुर्वे को भी आईक्यूएसी में शामिल किया गया है। विद्यार्थी प्रतिनिधियों में दुर्गा, डोमन, स्नेहा और ओमबी पटेल, पूर्व छात्र संघ से विद्यावती धुर्वे व राजेश पनरिया को सदस्य बनाए हैं। वहीं समाजसेवी प्रतिनिधि के रूप में केके पूसाम, विनीता तिवारी, कुई सरपंच धनंजय लहरे को बाह्य विशेषज्ञ सदस्य बनाया गया है। उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देंगे।

### प्राचार्यों ने समझौता ज्ञापन पर अपने हस्ताक्षर किए

कुई- कुकदूर कॉलेज में सोमवार को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह हुआ। समारोह में जेपीएम पीजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. शोभित वाजपेई, एसएनजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे, आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब पीजी कॉलेज कवर्धा के प्राचार्य प्रतिनिधि संतोष साहू, इंदिरा गांधी महाविद्यालय पंडरिया के प्राचार्य मधुसूदन राजपूत और नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदूर के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 21-01-2026

नवाचार को बढ़ावा देने की पहल • कुई-कुकदूर कॉलेज में आईक्यूएसी का गठन किया

# शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने कवर्धा-मुंगेली के चार कॉलेजों से एमओयू किया गया

भास्कर न्यूज | कुकदूर

कॉलेज में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने की दिशा में शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का गठन किया गया है।

इसका उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निरंतर सुधार, नवाचार को बढ़ावा देना और शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। आईक्यूएसी गठन के साथ ही राज्य के 4 प्रमुख शासकीय कॉलेज आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब शासकीय पीजी कॉलेज कवर्धा, इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय पंडरिया (जिला कबीरधाम), शासकीय जेपीएम महाविद्यालय मुंगेली और शासकीय एसएनजी महाविद्यालय मुंगेली के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कॉलेजों के मानव संसाधनों का साझा उपयोग, प्रयोगशालाओं व अन्य भौतिक संसाधनों का बेहतर और प्रभावी उपयोग छात्रहित में करना है। इससे स्टूडेंट्स को उन्नत शैक्षणिक सुविधाएं, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सकेगा।

आईक्यूएसी के अध्यक्ष कुई- कुकदूर कॉलेज के प्राचार्य जीए घनश्याम बनाए गए हैं। वहीं रामरती निषाद को समन्वयक नियुक्त किया गया है। आंतरिक सदस्यों में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अखिलेश चंद्र वर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत और अतिथि व्याख्याता शामिल हैं।

## छात्रों को उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध का अधिक अवसर मिलेगा

कुकदूर. कवर्धा व मुंगेली के 4 कॉलेजों के साथ एमओयू हुआ, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

### समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा

आईक्यूएसी का प्रमुख लक्ष्य महाविद्यालय में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, शोध अभिक्षमता का विकास, नवाचार आधारित शिक्षा को प्रोत्साहन देना है। साथ ही संस्थागत विकास के लिए सतत गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करना है। यह प्रकोष्ठ शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी कर गुणवत्ता मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्य करेगा। प्रबंधकीय और प्रशासनिक सहभागिता को मजबूत करते हुए जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सोनू सलूजा, सीएचसी कुकदूर प्रभारी डॉ. प्रासंगिना साधु, कुकदूर टीआई संग्राम सिंह और कुकदूर हाईस्कूल प्राचार्य आरके धुर्वे को भी आईक्यूएसी में शामिल किया गया है। विद्यार्थी प्रतिनिधियों में दुर्गे, डोमन, स्नेहा और ओमबी पटेल, पूर्व छात्र संघ से विद्यावती धुर्वे व राजेश पनरिया को सदस्य बनाए हैं। वहीं समाजसेवी प्रतिनिधि के रूप में केके पूषाम, विनीता तिवारी, कुई सरपंच धनंजय लहरे को बाह्य विशेषज्ञ सदस्य बनाया गया है। उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देंगे।

### प्राचार्यों ने समझौता ज्ञापन पर अपने हस्ताक्षर किए

कुई- कुकदूर कॉलेज में सोमवार को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह हुआ। समारोह में जेपीएम पीजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. शोभित वाजपेई, एसएनजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे, आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब पीजी कॉलेज कवर्धा के प्राचार्य प्रतिनिधि संतोष साहू, इंदिरा गांधी महाविद्यालय पंडरिया के प्राचार्य मधुसूदन राजपूत और नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदूर के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नवाचार को बढ़ावा देने की पहल • कुई-कुकदूर कॉलेज में आईक्यूएसी का गठन किया

# शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने कवर्धा-मुंगेली के चार कॉलेजों से एमओयू किया गया

भास्कर न्यूज | कुकदूर

कॉलेज में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने की दिशा में शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का गठन किया गया है।

इसका उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निरंतर सुधार, नवाचार को बढ़ावा देना और शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। आईक्यूएसी गठन के साथ ही राज्य के 4 प्रमुख शासकीय कॉलेज आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहब शासकीय पीजी कॉलेज कवर्धा, इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय पंडरिया (जिला कबीरधाम), शासकीय जेपीएम महाविद्यालय मुंगेली और शासकीय एसएनजी महाविद्यालय मुंगेली के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कॉलेजों के मानव संसाधनों का साझा उपयोग, प्रयोगशालाओं व अन्य भौतिक संसाधनों का बेहतर और प्रभावी उपयोग छात्रहित में करना है। इससे स्टूडेंट्स को उन्नत शैक्षणिक सुविधाएं, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सकेगा।

आईक्यूएसी के अध्यक्ष कुई- कुकदूर कॉलेज के प्राचार्य जीए घनश्याम बनाए गए हैं। वहीं रामरती निषाद को समन्वयक नियुक्त किया गया है। आंतरिक सदस्यों में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अखिलेश चंद्र वर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत और अतिथि व्याख्याता शामिल हैं।

## छात्रों को उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध का अधिक अवसर मिलेगा

कुकदूर. कवर्धा व मुंगेली के 4 कॉलेजों के साथ एमओयू हुआ, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

## समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा

आईक्यूएसी का प्रमुख लक्ष्य महाविद्यालय में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, शोध अभिक्षमता का विकास, नवाचार आधारित शिक्षा को प्रोत्साहन देना है। साथ ही संस्थागत विकास के लिए सतत गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करना है। यह प्रकोष्ठ शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी कर गुणवत्ता मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्य करेगा। प्रबंधकीय और प्रशासनिक सहभागिता को मजबूत करते हुए जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सोनू सलूजा, सीएचसी कुकदूर प्रभारी डॉ. प्रासंगिना साधु, कुकदूर टीआई संग्राम सिंह और कुकदूर हाईस्कूल प्राचार्य आरके धुर्वे को भी आईक्यूएसी में शामिल किया गया है। विद्यार्थी प्रतिनिधियों में दुर्गे, डोमन, स्नेहा और ओमबी पटेल, पूर्व छात्र संघ से विद्यावती धुर्वे व राजेश पनरिया को सदस्य बनाए हैं। वहीं समाजसेवी प्रतिनिधि के रूप में केके पूषाम, विनीता तिवारी, कुई सरपंच धनंजय लहरे को बाह्य विशेषज्ञ सदस्य बनाया गया है। उन्नत शैक्षणिक सुविधा, शोध के अधिक अवसर और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देंगे।

## प्राचार्यों ने समझौता ज्ञापन पर अपने हस्ताक्षर किए

कुई- कुकदूर कॉलेज में सोमवार को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह हुआ। समारोह में जेपीएम पीजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. शोभित वाजपेई, एसएनजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे, आचार्य पंथ श्री गृध मुनि नाम साहब पीजी कॉलेज कवर्धा के प्राचार्य प्रतिनिधि संतोष साहू, इंदिरा गांधी महाविद्यालय पंडरिया के प्राचार्य मधुसूदन राजपूत और नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदूर के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 21-02-2026

सिंह भाटी, राधा शरण सिंह क्षत्री, देवेंद्र सुनहले उपस्थित रहे।

# कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की हुई बैठक

कुकदूर|शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम व समन्वयक रामरति निषाद द्वारा किया गया। बैठक में धनंजय लहरें, आरके ध्रुव, जीएस राठौर, राजेश पनरिया, केके पुसाम उपस्थित रहे। बैठक में प्रकोष्ठ के उद्देश्य, गठन, महत्व पर विस्तृत चर्चा को पॉवर प्वाइंट द्वारा दी गई। कॉलेज द्वारा किए गए राज्य के अन्य चार महाविद्यालय के एमओयू संदर्भ में जानकारी दी गई।

सिंह पात, राधा शरण सिंह दात्रा, देवेंद्र सुनहले उपस्थित रहे।

# कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की हुई बैठक

कुकदूर | शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम व समन्वयक रामरति निषाद द्वारा किया गया। बैठक में धनंजय लहरें, आरके ध्रुव, जीएस राठौर, राजेश पनरिया, केके पुसाम उपस्थित रहे। बैठक में प्रकोष्ठ के उद्देश्य, गठन, महत्व पर विस्तृत चर्चा को पॉवर प्वाइंट द्वारा दी गई। कॉलेज द्वारा किए गए राज्य के अन्य चार महाविद्यालय के एमओयू संदर्भ में जानकारी दी गई।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 28-02-2026

# कॉमर्स के स्टूडेंट्स ने किया छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का शैक्षणिक भ्रमण

कुकदूर| ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग प्रणाली की व्यवहारिक जानकारी देना रहा। साथ ही वित्तीय संस्थानों की कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान बैंक के सहायक शाखा प्रबंधक अनुभव शर्मा ने विद्यार्थियों को बैंकिंग कार्यप्रणाली, विभिन्न प्रकार के खातों, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक दीं। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल व प्रभावी ढंग से उत्तर देते हुए बैंकिंग क्षेत्र में उपलब्ध करियर की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को बैंक की वास्तविक कार्यप्रणाली को निकट से देखने और समझने का अवसर मिला, जिससे उनके व्यावसायिक ज्ञान में वृद्धि हुई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीएस घनश्याम के निर्देशन में आयोजित किया गया। वाणिज्य विभाग से डॉ. राजीव कुशवाहा व डॉ. धीरज शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।

# नवीन कॉलेज में योग और व्यायाम शाला की शुरुआत

कुकदूर| ग्राम कुई- शाला स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय परिसर में योग व व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। शुक्रवार को व्यायाम शाला का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य आरके धुर्वे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि आरके धुर्वे ने फीता काटकर योग व व्यायामशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए नियमित योग व व्यायाम आवश्यक है। यह व्यायामशाला विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा के विकास में सहायक सिद्ध होगी। महाविद्यालय स्टाफ के सहयोग से स्थापित इस व्यायामशाला में विभिन्न आधुनिक व्यायाम उपकरणों की व्यवस्था की गई है, जिससे छात्र-छात्राएं नियमित रूप से शारीरिक अभ्यास कर सकेंगे। योगाभ्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में एकाग्रता बढ़ती है।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 28-02-2026

निषाद साहू शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# कॉमर्स के स्टूडेंट्स ने किया छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का शैक्षणिक भ्रमण

कुकदूर| ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग प्रणाली की व्यवहारिक जानकारी देना रहा। साथ ही वित्तीय संस्थानों की कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान बैंक के सहायक शाखा प्रबंधक अनुभव शर्मा ने विद्यार्थियों को बैंकिंग कार्यप्रणाली, विभिन्न प्रकार के खातों, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक दीं। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल व प्रभावी ढंग से उत्तर देते हुए बैंकिंग क्षेत्र में उपलब्ध करियर की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को बैंक की वास्तविक कार्यप्रणाली को निकट से देखने और समझने का अवसर मिला, जिससे उनके व्यावसायिक ज्ञान में वृद्धि हुई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीएस घनश्याम के निर्देशन में आयोजित किया गया। वाणिज्य विभाग से डॉ. राजीव कुशवाहा व डॉ. धीरज शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।

# कुई-कुकदूर कॉलेज में कम्प्यूटर लैब शुरू

**कुकदूर**| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में कम्प्यूटर प्रयोगशाला का शुभारंभ हुआ है। डॉ.एसी वर्मा ने बताया कि सीमित संसाधन के बावजूद विद्यार्थियों के विकास हेतु एक सराहनीय पहल करते हुए कंप्यूटर प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया। यह प्रयास कॉलेज परिवार की प्रतिबद्धता व छात्रहित के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम ने कहा कि विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने का यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वर्तमान में उपलब्ध कंप्यूटरों के माध्यम से छात्रों को बुनियादी कम्प्यूटर ज्ञान, एमएस ऑफिस, इंटरनेट उपयोग, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया व प्रोजेक्ट कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कंप्यूटर प्रयोगशाला के प्रभारी डॉ. धीरज शर्मा (वाणिज्य विभाग) को नियुक्त किया गया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से तकनीकी दक्षता प्रदान की जाएगी। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा उन्हें डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाएगी। उन्होंने भविष्य में संसाधनों के विस्तार का भी आश्वासन दिया।

दैनिक भास्कर

कवर्धा-बेमेतरा 02-03-2026

# वर्तमान में विज्ञान और तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है

कुकदूर. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

**कुकदूर।** शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर के संगोष्ठी कक्ष में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य जीए घनश्याम के निर्देशन में रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र व वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कुकदूर से रमेश सिंह पोर्ते (व्याख्याता, रसायन शास्त्र), राधाशरण सिंह क्षत्रिय (व्याख्याता, जीव विज्ञान) उपस्थित थे। दोनों वक्ता ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व, उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन को सरल, सुरक्षित और प्रगतिशील बनाने का माध्यम है। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अपने भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, तर्कसंगत सोच अपनाने व नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों को विज्ञान के नई उपलब्धि को बताया गया। प्राचार्य जीए घनश्याम ने विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने और समाज हित में वैज्ञानिक सोच को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विभाग व अतिथि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रिया ठाकुर ने किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता व उत्साह का संचार हुआ।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 10-01-2026

# खेलकूद प्रतियोगिता: गोला फेंक, दौड़ व शतरंज खेलों में स्टूडेंट्स ने दिखाई प्रतिभा

भास्कर न्यूज | कुकदूर

कुकदूर. खेल प्रतियोगिता का समापन।

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हुई। तीन दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में इंडोर और आउटडोर खेलों में स्टूडेंट्स ने अपनी प्रतिभा दिखाई। पहले दिन शतरंज और कैरम की बौद्धिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें छात्रों ने अपनी सूझबूझ और रणनीति का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इसके अतिरिक्त गोला फेंक, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर बालक/बालिका दौड़ भी आयोजित की गई। दूसरे दिन प्रतियोगिता का रंग टीम खेलों से रोशन हुआ। कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, बैडमिंटन और मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें छात्र- छात्राओं ने टीम वर्क और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंतिम दिन रंगोली प्रतियोगिता और केश सज्जा ने सांस्कृतिक रंग भर दिए। बालिका क्रिकेट का आयोजन भी हुआ, जिसमें छात्राओं ने अपनी ऊर्जा और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य डॉ. जीएस घनश्याम और पूर्व प्राचार्य डॉ. एसी वर्मा की उपस्थिति में हुआ।

**उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान:** इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एमए प्रथम वर्ष की छात्रा भगवंती, बीए प्रथम सेमेस्टर की सोनम, बीएससी प्रथम सेमेस्टर के अश्वनी और बीए तृतीय वर्ष के छात्र संतोष पटेल ने अपनी खेलकूद प्रतिभा से सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 04-03-2026

कारखाना, गोपद चंद्रवंशी मौजूद थे।

# कॉलेज में बैडमिंटन कोर्ट का हुआ शुभारंभ

**कुकदूर |** शासकीय नवीन कॉलेज कुई–कुकदूर में नव-निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोनू सलूजा, दशरथ कुंभकार, प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम उपस्थित थे। दशरथ कुंभकार ने विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व टीम भावना विकसित करने का संदेश दिया। सोनू सलूजा ने सीमित संसाधन के साथ कॉलेज द्वारा किए जा रहे नवाचार की प्रशंसा की। अंचल के इस कॉलेज में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग, व्यायाम शाला, कंप्यूटर कक्ष के साथ बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन एक नई बयार है। जीए घनश्याम ने बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण ने प्रमुख भूमिका निभाने वाले गोविंद यादव, डॉ. संदीप बघेल व शिवचरण के प्रयास की प्रशंसा किया। इस मौके पर अतिथि व प्राचार्य के मध्य मैत्री मैच भी आयोजित किया। इस अवसर पर रामरती निषाद, रिया राजपूत समेत विद्यार्थी मौजूद थे।

# मशरूम की खेती के बारे में बताया गया

**कुकदूर |** शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। राजनांदगांव से पधारे सहायक प्राध्यापक पंकज कुमार भारती ने मशरूम की खेती व उद्यमिता विषय पर व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने विद्यार्थियों को मशरूम की खेती की उन्नत तकनीक, उत्पादन की प्रक्रिया, इसके पोषण महत्व तथा इससे जुड़े रोजगार व उद्यमिता के अवसर के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों के विषय से संबंधित प्रश्नों, शंका व समस्या का सरलतापूर्वक समाधान किया,जिससे विद्यार्थियों को स्वरोजगार के नए अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में रिया ठाकुर, रामरती निषाद, हरीश पात्रे, डॉ.चंद्रशेखर सिंह राजपूत उपस्थित थे।

# विद्यार्थियों को परमाणु व अणु की दी जानकारी

कुकदूर| कुई-कुकदूर के शासकीय नवीन कॉलेज में अतिथि व्याख्यानमाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में हो रहा है। सोमवार को यहां रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. नीरज कुमार देशमुख ने क्रिस्टलोग्राफी विषय पर व्याख्यान दिया। बताया गया कि ठोस पदार्थों में परमाणुओं, आयनों या अणुओं की त्रिविमीय (3D) व्यवस्था का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। यह एक्स-रे, इलेक्ट्रॉन या न्यूट्रॉन विवर्तन तकनीक का उपयोग करके पदार्थों की आणविक संरचना, समरूपता, और गुणों को निर्धारित करता है, जो रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पदार्थ विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस व्याख्यान में डॉ.एसी वर्मा, हरिश पात्रे, रिया ठाकुर समेत विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 11-03-2026

# कुई-कुकदूर कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

कुकदूर| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम में शासकीय दिग्विजय पीजी कॉलेज राजनांदगांव से प्राणी शास्त्र के विशेषज्ञ प्रोफेसर संजय थिसके ने लाइट, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के सिद्धांत, संरचना, कार्यप्रणाली विषय पर व्याख्यान दिए। उन्होंने विषय संबंधित प्रश्न का समाधान किया। इस दौरान रामरती निषाद, हरीश पात्रे, सिया ठाकुर, डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत व विज्ञान संकाय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 12-03-2026

# कॉलेज में भूगोल विषय पर दिया गया व्याख्यान

कुक्दूर| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुक्दूर में विद्यार्थियों की बौद्धिक विकास, कैरियर मार्गदर्शन के लिए अतिथि व्याख्यान माला का प्रारंभ किया गया है। इस मौके पर भूगोल विभाग अंतर्गत शासकीय जेएलएन पीजी कॉलेज बेमेतरा के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र धर द्विवेदी ने परिचयात्मक भूगोल विषय पर व्याख्यान दिया गया। स्वामी विवेकानंद कॉलेज बोड़ला के सहायक अध्यापक डॉ. उमेश पाठक ने जल संरक्षण पर चर्चा की। प्राचार्य जीए घनश्याम, रसायन शास्त्र विभाग के एसी वर्मा, अतिथि व्याख्याता डॉ.कौसर नाजमी, हरीश पात्रे ने विभिन्न विषय पर चर्चा की।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 14-03-2026

# इंग्लिश क्लीनिक और स्पीकिंग क्लब शुरू हुआ

कुकदूर| ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में इंग्लिश क्लीनिक, इंग्लिश स्पीकिंग क्लब, समाजशास्त्र परिषद और रसायन शास्त्र परिषद शुरू की गई है। इसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के अपर संचालक प्रो. अनुपमा अस्थाना रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में अंग्रेजी सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. तापस मुखर्जी और समाजशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. निवेदिता मुखर्जी शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने की। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे नवाचार बेहद जरूरी हैं। विशेष रूप से इंग्लिश क्लीनिक और स्पीकिंग क्लब से छात्रों की अंग्रेजी भाषा पर पकड़ मजबूत होगी और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। अतिथियों ने महाविद्यालय द्वारा सीमित संसाधनों में भी विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे प्रयासों और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की है।

# काल का सही उपयोग भाषा को अधिक प्रभावी और स्पष्ट बनाता है

## दैनिक जीवन में काल विषय पर कॉलेज में हुआ व्याख्यान

कुकदूर. ग्राम कुई- कुकदूर स्थित नवीन कॉलेज में व्याख्यान कार्यक्रम हुआ।

भास्कर न्यूज़ | कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की ओर से संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम के निर्देशन में गुणवत्ता उन्नयन के तहत यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि व्याख्याता अंग्रेजी डॉ. संदीप बघेल ने दैनिक जीवन में काल (टेंस इन डेली लाइफ) विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने दैनिक जीवन में अंग्रेजी के काल के प्रयोग, उनकी उपयोगिता और सही भाषा प्रयोग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. बघेल ने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि दैनिक बातचीत, लेखन और संप्रेषण में काल का सही उपयोग भाषा को अधिक प्रभावी और स्पष्ट बनाता है। कार्यक्रम में उपस्थित स्टूडेंट्स और प्राध्यापकों ने विषय को रुचिपूर्वक सुना। अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम को कॉलेज में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Madhyanchal Bhoomi - 17 Mar 2026 - Page 2

स्थानों पर भी दोपहर के समय लोगों की भीड़ कम

## विशेषज्ञों ने महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास और लैंगिक समानता पर रखे विचार

# गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

गवर्नमेंट मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज में 16 से 18 मार्च तक तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का विषय "Gender Inclusion and Equality Initiatives" रखा गया था, जिसे हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. कल्पना उपाध्याय द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि समाज, कार्यस्थल और परिवार हर क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व के लगभग 145 देशों में भारत का स्थान जेंडर इक्वेलिटी के मामले में 125वां है, जो इस विषय की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण और समान अवसरों की महत्ता को रेखांकित किया।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में कौशल विकास को बढ़ावा जाए एवं समानता का अधिकार। विशिष्ट अतिथि के रूप में संगीता ध्रुव (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति) उपस्थित थीं। जनभागीदारी समिति की सदस्य नमिता जैन मैम एवं डॉ. निशा झा मैम भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जी.एम. घनश्याम, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई कुकदूर ने महिलाओं की शिक्षा में समान अवसर, कौशल विकास और सामाजिक समानता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

दूसरे सत्र में प्रोफेसर डॉ. रविंद्र ब्राम्हे ने व्याख्यान दिया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा को समानता प्राप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम बताया और कहा कि शिक्षित महिलाएं समाज में अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सशक्त बनती हैं।

तीसरे सत्र में जी.एस. मिंज ने अपने विचार रखे। उन्होंने कार्यस्थल और समाज में लैंगिक समानता के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सकारात्मक मानसिक स्थिति व्यक्ति के कार्य प्रदर्शन और जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाती है।

कार्यक्रम में डी. के कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक उपाध्याय तथा उनके महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त पलारी कॉलेज के प्राध्यापक एवं स्टाफ सदस्य भी कार्यक्रम में सहभागी बने।

पदाधिकारी उपस्थित रहे। (कवधा) शक्कर कारखाना म लेकर शासन से ही कोटा सिस्टम

# गुणवत्ता सुधार की पहल... प्रशासनिक पारदर्शिता व दक्षता बढ़ाने पर दिया जोर

भास्कर न्यूज़|कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में शुक्रवार को संकाय संवर्धन कार्यक्रम (फैकल्टी एन्हांसमेंट प्रोग्राम) की द्वितीय कड़ी का सफल आयोजन किया गया। गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में पहल करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने यह कार्यक्रम आयोजित किया।

प्राचार्य प्रो. डॉ. जीए घनश्याम के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. डॉ. अखिलेश चंद्र वर्मा ने शासकीय संस्थानों में नवीन क्रय नियम विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने शासकीय क्रय प्रक्रिया से जुड़े नए नियमों, प्रक्रियाओं और पारदर्शिता की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सही क्रय प्रणाली से संस्थानों की कार्यकुशलता और जवाबदेही दोनों बढ़ती हैं।

कुकदूर. कार्यक्रम में शामिल शिक्षक।

**शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी:** कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक स्टाफ ने हिस्सा लिया और विषय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। यह जानकारी शिक्षकों के लिए प्रशासनिक कार्यों के साथ संस्थान के सुचारू संचालन में उपयोगी साबित होगी। आईक्यूएसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को महाविद्यालय में गुणवत्ता सुधार के निरंतर प्रयासों का हिस्सा बताया गया।

दैनिक भास्कर

कवर्धा-बेमेतरा 27-03-2026

**अच्छी पहल •** शिक्षा और संसाधनों का साझा उपयोग कर सकेंगे दोनों कॉलेज, अनुसंधान पर भी फोकस

# दो कॉलेजों ने शिक्षा में सहयोग बढ़ाने किया एमओयू

भास्कर न्यूज | कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदुर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय और शासकीय कोदुराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने के लिए यह समझौता हुआ। इससे छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

इस समझौता ज्ञापन के तहत दोनों महाविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, नवाचार गतिविधियां, इंटर्नशिप और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करेंगे। साथ ही दोनों संस्थानों के शैक्षणिक और भौतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। प्राचार्य प्रो. डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि इस पहल से संस्थानों के बीच ज्ञान

कुकदूर. दोनों कॉलेजों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

का आदान-प्रदान बढ़ेगा। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। यह छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

**छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे:** आईक्यूएसी समन्वयक रामरती निषाद और कोदुराम महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक निर्मल कुमार ने बताया कि छात्रों को इंटर्नशिप, कौशल विकास कार्यशाला और कॅरियर परामर्श उपलब्ध होंगे। साथ ही शिक्षकों के लिए संयुक्त अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं में भागीदारी के अवसर बढ़ेंगे। नवाचार से ज्ञान भी बढ़ेगा।

## उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल की गई, कॅरियर में लाभ होगा

शासकीय कोदुराम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. गिरीश कांत पांडे ने कहा ने कहा कि आज के समय में शैक्षणिक सहयोग हर छात्र के लिए महत्वपूर्ण है। इस एमओयू से छात्रों को शिक्षा और कॅरियर दोनों में लाभ मिलेगा। विशिष्ट अतिथि एसएनजी महाविद्यालय मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे और शासकीय महाविद्यालय पांडातराई के प्राचार्य एलके तिवारी ने इसे उच्च शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक पहल बताया।

## महाविद्यालय के लिए उपलब्धि

प्राचार्य प्रो. घनश्याम ने कहा कि यह पहल महाविद्यालय के लिए शिक्षा में नए आयाम स्थापित करेगी। भविष्य में यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के विकास में मददगार होगा।

उच्च शिक्षा : समझौते से दोनों कॉलेजों के बीच होगा शैक्षणिक सहयोग

# शिक्षा शोध के लिए दो कॉलेजों के बीच हुआ समझौता, नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**नवागढ़.** उच्च शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में शासकीय कोंदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर के बीच गुरुवार को 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, शोध एवं नवाचार गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस दौरान दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य, आईक्यूएसी प्रभारी, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

शासकीय महाविद्यालय नवागढ़ के प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडे ने कहा कि बदलते समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि कौशल, तकनीक और नवाचार से जुड़ना आवश्यक हो गया है। यह एमओयू विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। कुई-कुकदुर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एजी घनश्याम ने कहा कि यह समझौता "ज्ञान के आदान-प्रदान का मजबूत मंच" साबित होगा। इससे शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर मिलेंगे तथा शोध कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारियों व प्रतिनिधियों ने औपचारिक रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा एक-दूसरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर सहयोग को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

## इन क्षेत्रों में होगा विशेष सहयोग

- संयुक्त शोध परियोजनाएं एवं शोध पत्र प्रकाशन,
- वर्कशॉप और अकादमिक सम्मेलन,
- छात्र-शिक्षक विनिमय कार्यक्रम
- विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण,
- स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा,
- डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लासरूम का विस्तार ।

दैनिक भास्कर

कवर्धा-बेमेतरा 30-03-2026

और सामाजिक सहभागिता पर जोर दिया  उपस्थित थे।  नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।  भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

**व्याख्यान** • प्रशिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने कार्यक्रम, कोशिका चक्र की प्रक्रिया बताई

# समसूत्री विभाजन के विभिन्न चरणों को समझाया

भास्कर न्यूज़|कुकदूर

कुकदूर. शासकीय नवीन कॉलेज में कार्यक्रम में विषय संबंधित जानकारी विस्तार के साथ दी गई।

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज में शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन व अध्यापन-प्रशिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। अतिथि व्याख्याता (प्राणी शास्त्र) हरीश पात्रे द्वारा समसूत्री विभाजन विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए। उन्होंने कोशिका विभाजन की इस महत्वपूर्ण जैविक प्रक्रिया का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित विवरण प्रस्तुत किया। समसूत्री विभाजन के विभिन्न चरणों प्रोफेज, मेटाफेज, एनाफेज व टेलोफेज को सरल भाषा एवं उपयुक्त उदाहरणों के माध्यम से समझाया। व्याख्यान के दौरान वक्ता ने विषय को और अधिक स्पष्ट करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए विद्यार्थियों को कोशिका चक्र की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया।

## कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने विषय को अत्यंत रुचिपूर्वक सुना तथा प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का वक्ता ने सरल व संतोषजनक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई तथा उन्हें जटिल जैविक अवधारणाओं को समझने में सहायता प्राप्त हुई। यह कार्यक्रम कॉलेज में शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सफल सिद्ध हुआ। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 01-04-2026

**बड़ी राहत** • छात्रों को परिषद की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने प्रेरित किया

# कुकदूर कॉलेज में भूगोल परिषद की शुरुआत, रिसर्च व नवाचार पर फोकस

भास्कर न्यूज | कुकदूर

ग्रामीण अंचल के छात्रों को अब किताबों तक सीमित भूगोल नहीं पढ़ाया जाएगा, बल्कि उन्हें धरातल पर समझने और शोध करने का अवसर मिलेगा। शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में भूगोल परिषद के उद्घाटन के साथ ही ऐसी ही पहल की शुरुआत हुई है, जिसका मकसद छात्रों में विषय के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो.डॉ.जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय केआरडी कॉलेज नवागढ़ के प्राचार्य डॉ. गिरीश कांत पांडे शामिल हुए। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कॉलेज पांडातराई के प्राचार्य प्रो. डॉ.एलके तिवारी और शासकीय एसएनजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे उपस्थित रहे। प्राचार्य जीए घनश्याम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान बेहद जरूरी है। छात्रों को परिषद की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

**ग्रामीण छात्रों को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म:** कार्यक्रम में वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के पास प्रतिभा की कमी नहीं होती, बल्कि उन्हें सही दिशा और मंच की आवश्यकता होती है। भूगोल परिषद इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो छात्रों को अपनी क्षमता पहचानने और उसे निखारने का अवसर देगी। इससे ज्ञान भी बढ़ेगा।

कुकदूर . कार्यक्रम में अतिथियों ने भूगोल विषय के संबंध में जानकारी दी।

अतिथियों का सम्मान किया गया।

## अब होंगे सेमिनार, क्विज फील्ड स्टडी और सर्वे भी

कार्यक्रम के संयोजक डॉ.कौसर नाजमी ने बताया कि भूगोल परिषद के माध्यम से पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें सेमिनार, गेस्ट लेक्चर, क्विज प्रतियोगिता, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिता प्रमुख हैं। इसके साथ ही छात्रों को फील्ड विजिट और सर्वे कार्य से जोड़ने की भी योजना है, ताकि वे व्यावहारिक ज्ञान हासिल कर सकें। परिषद का मुख्य उद्देश्य छात्रों के भीतर शोध की प्रवृत्ति विकसित करना और उन्हें नई सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इससे छात्रों के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए भी बेहतर तैयार हो सकेंगे।

## भूगोल सिर्फ नक्शा नहीं जीवन से जुड़ा विज्ञान है

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भूगोल केवल नक्शों और आंकड़ों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ विज्ञान है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, खेती की पद्धतियां और शहरीकरण जैसे विषयों को समझने में भूगोल की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने छात्रों को फील्ड वर्क, सर्वे और प्रोजेक्ट आधारित अध्ययन की ओर प्रेरित किया। इसे मौके पर अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे स्टूडेंट्स के ज्ञान में वृद्धि भी होगी।

## छात्र-छात्राओं में उत्साह के साथ ही नई ऊर्जा दिखी

कार्यक्रम के अंत में रामरति निषाद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस दौरान कॉलेज के शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने छात्रों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया, जिससे आने वाले समय में महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वहीं, कॉलेज द्वारा लगातार इस प्रकार के कई सेमिनार आयोजित किए जा रहे है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को कई जानकारी मिल रही है। ये बीते एक हफ्ते से जारी है, जहां विभिन्न विषय को लेकर विद्यार्थियों को जानकारी दे रहे।

# ऑनलाइन व्याख्यानमाला : छात्राओं को मिला व्यक्तित्व विकास का मार्गदर्शन

*हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर*

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बैकुंठपुर एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर (कवर्धा) के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत 1 अप्रैल को अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप के संरक्षण में तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी भारत सिंह बैकुंठपुर एवं रामरति निषाद (कुई-कुकदुर) के निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर के प्राचार्य प्रोफेसर जीए घनश्याम ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए अंग्रेजी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि वर्तमान समय में अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा है, जिसके माध्यम से संचार कौशल को सुदृढ़ किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने मातृभाषा और व्यावसायिक भाषा दोनों के समान महत्व पर जोर दिया। प्रो. घनश्याम ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए बताया कि जीवन में सफलता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण (एटीट्यूड) अत्यंत आवश्यक है, जो व्यक्ति को पूर्णता की ओर ले जाता है। उन्होंने संचार कौशल में प्रवाह (फ्लुएंसी) और गति (स्पीड) के अंतर को भी स्पष्ट किया तथा शब्दकोश को मजबूत करने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि शब्दों का प्रयोग वाक्यों में करने से वे लंबे समय तक स्मरण रहते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रेरणादायक वीडियो के माध्यम से छात्राओं को निरंतर प्रयास और कभी हार न मानने की सीख दी गई। इस व्याख्यानमाला से बीए, बीएससी एवं बी कॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की लगभग 180 छात्राएं ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से लाभान्वित हुईं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रिचा चेलकर द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन सुमित मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 03-04-2026

# शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में वाणिज्य परिषद किया गया उद्घाटन

कार्यक्रम प्राध्यापकगण समेत कर्मचारी शामिल हुए।

कुकदूर|शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य परिषद के उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रशासनिक भवन में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रो.डॉ. जीए घनश्याम ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य, शासकीय कॉलेज नवागढ़ प्रो. डॉ.गिरीश कांत पांडे, विशिष्ट अतिथि में प्रभारी प्राचार्य, शासकीय कॉलेज पांडातराई प्रो.डॉ.एलके तिवारी व डॉ. रजत दवे प्राचार्य, शासकीय कॉलेज मुंगेली शामिल हुए। शिवराम सिंह श्याम ने शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा में सहयोग, व्यावसायिक कौशल, अनुसंधान व नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा देने के साथ-साथ उनके करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र प्रो.डॉ.एसी वर्मा, सह-संयोजक सहायक प्राध्यापक, प्राणी शास्त्र रामरति निषाद रहे, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर पर वाणिज्य विभाग के डॉ. धीरज शर्मा, डॉ. राजीव कुशवाहा समेत समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 04-04-2026

# राजनीति शास्त्र परिषद का गठन, छात्र सीखेंगे शासन-प्रशासन की बारीकियां

भास्कर न्यूज़ | कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राजनीति शास्त्र परिषद का उद्घाटन समारोह हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ देश की शासन व्यवस्था और राजनीति के व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना है।

कुकदूर. राजनीति शास्त्र परिषद का गठन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कांत पांडेय रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुंगेली से आए डॉ. मन्ना राम पटेल ने परिषद का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि राजनीति शास्त्र केवल एक विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन और प्रशासन को समझने का जरिया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने छात्रों को समझाते हुए कहा कि ऐसी परिषदों के माध्यम से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होता है और उनमें नेतृत्व करने की क्षमता आती है।

**व्यवहारिक ज्ञान पर हुई चर्चा**

कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों ने राजनीति शास्त्र के व्यावहारिक पक्षों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विषय प्रशासन और सरकारी व्यवस्थाओं से सीधे जुड़ा हुआ है। अंत में रामरति निषाद ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कॉलेज के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 04-04-2026

भिलाई-रायपुर, शनिवार, 4 अप्रैल, 2026 | 19

## अंचल की खबरें

# कुई-कुकदूर कॉलेज में वाणिज्य परिषद का उद्घाटन

कुकदूर | शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य परिषद के उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रशासनिक भवन में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रो.डॉ. जीए घनश्याम ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य, शासकीय कॉलेज नवागढ़ प्रो. डॉ.गिरीश कांत पांडे, विशिष्ट अतिथि में प्रभारी प्राचार्य, शासकीय कॉलेज पांडातराई प्रो.डॉ.एलके तिवारी व डॉ. रजत दवे प्राचार्य, शासकीय कॉलेज मुंगेली शामिल हुए। शिवराम सिंह श्याम ने शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा में सहयोग, व्यावसायिक कौशल, अनुसंधान व नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा देने के साथ-साथ उनके करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र प्रो.डॉ.एसी वर्मा, सह-संयोजक सहायक प्राध्यापक, प्राणी शास्त्र रामरति निषाद रहे, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर पर वाणिज्य विभाग के डॉ. धीरज शर्मा, डॉ. राजीव कुशवाहा समेत समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# राजनीति शास्त्र परिषद का गठन, छात्र सीखेंगे शासन-प्रशासन की बारीकियां

भास्कर न्यूज़|कुकदूर

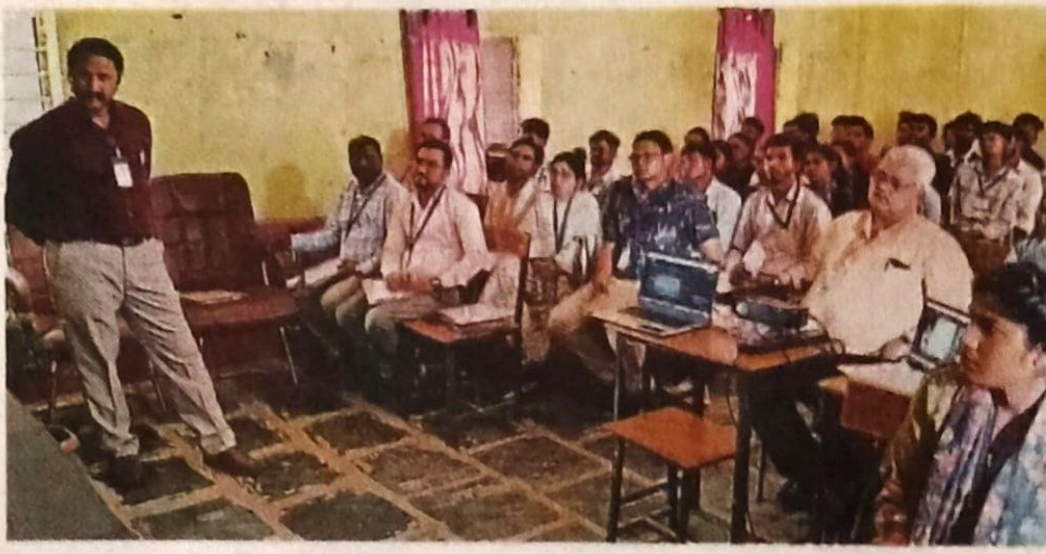

कुकदूर. राजनीति शास्त्र परिषद का गठन किया।

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राजनीति शास्त्र परिषद का उद्घाटन समारोह हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ देश की शासन व्यवस्था और राजनीति के व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कांत पांडेय रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुंगेली से आए डॉ. मन्ना राम पटेल ने परिषद का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि राजनीति शास्त्र केवल एक विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन और प्रशासन को समझने का जरिया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने छात्रों को समझाते हुए कहा कि ऐसी परिषदों के माध्यम से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होता है और उनमें नेतृत्व करने की क्षमता आती है।

### व्यवहारिक ज्ञान पर हुई चर्चा

कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों ने राजनीति शास्त्र के व्यावहारिक पक्षों पर जानकारि दी। उन्होंने बताया कि यह विषय प्रशासन और सरकारि व्यवस्थाओं से सीधे जुड़ा हुअ है। अंत में रामरति निषाद ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कॉलेज के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

## इंग्लिश एसोसिएशन के उद्घाटन पर वक्ताओं ने कहा-

# इंग्लिश भाषा सिर्फ विषय नहीं अभिव्यक्ति का माध्यम भी बने

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई कुकदूर में इंग्लिश एसोसिएशन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय एसएनजी कॉलेज मुंगेली के प्राचार्य डॉ. रजत दवे ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा को लेकर नई सोच अपनाने का संदेश दिया। अंग्रेजी केवल एक विषय नहीं है, बल्कि यह संवाद का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अंग्रेजी को परीक्षा पास करने के नजरिए से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्रयोग करने वाली भाषा के रूप में अपनाएं। साथ ही उन्होंने छात्रों को अंग्रेजी के प्रति व्याप्त भय को दूर करने के लिए कॉलेज में संचालित इंग्लिश स्पीकिंग क्लब की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी।

### इंग्लिश एसोसिएशन का उद्देश्य भी बताया गया

कार्यक्रम संयोजक अंग्रेजी विभाग के डॉ. संदीप बघेल ने इंग्लिश एसोसिएशन के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी भाषा को सीखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है 'सुनना'। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ध्यान से सुन सकता है, वही भाषा को सही तरीके से बोल भी सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इंग्लिश स्पीकिंग क्लब का अधिकतम उपयोग करें, जिससे उनकी भाषा दक्षता में सुधार हो सके।

### संबोधन में अंग्रेजी को व्यवहार में लाएं

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय कॉलेज नवागढ़ के प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय कॉलेज पांडातराई के प्राचार्य डॉ. आरएल तिवारी उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने अपने संबोधन में अंग्रेजी भाषा को व्यवहार में लाने और नियमित अभ्यास पर जोर दिया। इस दौरान कॉलेज के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साह और रुचि के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 06-04-2026

अच्छी पहल • संकाय संवर्धन कार्यक्रम की चौथी कड़ी का समापन, शिक्षा को प्रशिक्षण

# प्रभावी संवाद ही शिक्षक की पहचान बॉडी लैंग्वेज भी जरूरी: डॉ. घनश्याम

भास्कर न्यूज | कुकदूर

वनांचल क्षेत्र कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम (संकाय संवर्धन कार्यक्रम) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की चौथी कड़ी में इस बार फोकस कम्युनिकेशन स्किल्स (संचार कौशल) पर रहा। यहां शिक्षकों को बताया गया कि एक बेहतर संवाद कैसे छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी को कम कर सकता है। मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने संचार कौशल विषय पर बेहद व्यावहारिक और प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संचार केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि इसके कई गहरे आयाम हैं। बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताते हुए डॉ. घनश्याम ने कहा कि पढ़ाते समय शिक्षक के खड़े होने का तरीका, आंखों का संपर्क और हाथों के संकेत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को 40 प्रतिशत तक बढ़ा देते हैं। एक शिक्षक को विद्यार्थी की मनोदशा समझकर सरल और संवेदनशील संवाद करना चाहिए।

## बेहतर संवाद छात्र व शिक्षक के बीच की दूरी कम कर सकता है

कुकदूर. शासकीय नवीन महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों व छात्रों को प्रशिक्षण देते हुए।

### सिर्फ कोर्स ही पूरा नहीं करा रहा, स्किल पर भी फोकस

अक्सर सरकारी कॉलेजों में केवल कोर्स पूरा करने पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन कुई- कुकदूर कॉलेज में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के जरिए शिक्षकों के प्रोफेशनल स्किल को निखारा जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आईक्यूएसी टीम ने सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कॉलेज प्रशासन ने प्रतिबद्धता दोहराई कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।यह कार्यक्रम केवल एकतरफा व्याख्यान नहीं था। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने संचार की बाधाओं और झिझक को दूर करने से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका प्राचार्य ने बड़ी सरलता से उत्तर दिया। इससे कार्यक्रम काफी रोचक और ज्ञानवर्धक बन गया।

### अब चॉक-डस्टर के साथ क्लिक भी करना जरूरी

प्राचार्य डॉ. घनश्याम ने आधुनिक शिक्षण पद्धति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में डिजिटल संचार माध्यमों का उपयोग समय की मांग है। शिक्षकों को तकनीक के साथ तालमेल बिठाना होगा। ताकि वे वैश्विक स्तर के ज्ञान को स्थानीय छात्रों तक आसानी से पहुंचा सकें। इससे लाभ होगा।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 09-04-2026

समग्र विकास पर जोर • छात्रों में सामाजिक समस्याओं की समझ विकसित करेगी, उनमें नेतृत्व भी बढ़ेगी

# कुई-कुकदूर कॉलेज में समाजशास्त्र परिषद की शुरुआत

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदुर में समाजशास्त्र विभाग के अंतर्गत समाजशास्त्र परिषद का उद्घाटन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ऋग्वेद के श्लोक "संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्" के साथ हुआ, जिसे परिषद का ध्येय वाक्य बनाया गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. अनुपमा अस्थाना रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. निवेदिता मुखर्जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रो.डॉ.जीए घनश्याम ने की। इस अवसर पर डॉ. निवेदिता मुखर्जी ने कहा कि समाजशास्त्र परिषद विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, शोध प्रवृत्ति, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रभावी मंच बनेगी। उन्होंने बताया कि परिषद के माध्यम से विद्यार्थियों को संगोष्ठी, कार्यशाला, वाद-विवाद, सामाजिक सर्वेक्षण सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। मुख्य अतिथि डॉ. अनुपमा अस्थाना ने परिषद की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करती हैं।

कुकदूर. समाजशास्त्र परिषद के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि और अन्य अतिथि।

## परिषद के उद्देश्यों और कार्यों के बारे में बताया

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राम भरोस साहू ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए इसे शोध के क्षेत्र में नया आयाम बताया। डॉ.जीए घनश्याम ने कहा कि परिषद विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगी, सामाजिक समस्याओं की समझ विकसित करेगी। शोध व अध्ययन में रुचि बढ़ाएगी। इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व एवं संगठन क्षमता का भी विकास होगा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत ने इसे कॉलेज के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। कार्यक्रम का संचालन रिया ठाकुर ने किया।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 10-04-2026

सुधारने के लिए कोलाभिसेस्वा ने भी भूमिका निभाई। सुझाव देने कहा गया है। का भाव करता है। इसका

**पहल •** शासकीय कॉलेज कुई-कुकदूर में प्राणी शास्त्र परिषद का हुआ उद्घाटन समारोह

# प्रकृति के संतुलन को समझने का आधार प्राणी शास्त्र

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में विद्यार्थियों के वैज्ञानिक कौशल को निखारने और विषय के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से प्राणी शास्त्र परिषद (जूलॉजिकल सोसायटी) का उद्घाटन समारोह आयोजित की गई। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर जीए घनश्याम के अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में जेपी मिश्र पीजी कॉलेज मुंगेली प्राचार्य प्रोफेसर शोभित वाजपेई उपस्थित रहे।

परिषद का उद्घाटन प्रोफेसर धनंजय मिश्र (वरिष्ठ प्राध्यापक, प्राणी शास्त्र, पीजी कॉलेज बलौदा बाजार) ने किया। प्राणी शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने परिषद के गठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस परिषद के माध्यम से छात्र-छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रायोगिक गतिविधियों, सेमिनार और शोधपरक कार्य से जोड़ा जाएगा। धनंजय मिश्र ने कहा कि प्राणी शास्त्र केवल जीवों का अध्ययन नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के संतुलन को समझने का आधार है। परिषद जैसी गतिविधियां छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करती हैं जो उनके भविष्य के करियर के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

कुकदूर. कार्यक्रम में कॉलेज के प्रोफेसर मौजूद थे।

## परिषद के गठन पर विद्यार्थियों में उत्साह

इस अवसर पर कॉलेज के सभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। परिषद के गठन को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया, क्योंकि अब उन्हें विषय से जुड़ी रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक समर्पित मंच प्राप्त होगा। मंच संचालन गोविंद यादव ने किया। उन्होंने अपनी प्रभावी शैली से कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखी। इस दौरान कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 11-04-2026

# वैज्ञानिक सोच के संदेश के साथ परिषद शुरू

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई- कुकदूर के सेमिनार हॉल में ज्ञान, शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की दिशा में पहल हुई। यहां वनस्पति विज्ञान परिषद का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम ने की, जबकि सुधीर कुमार तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि सुधीर तिवारी ने कहा कि वनस्पति विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन, प्रकृति और पर्यावरण

बेमेतरा. सम्मान समारोह में क्लब के सदस्य व विद्यार्थी।

को समझने की कुंजी है। उन्होंने पौधों के संरक्षण, जैव विविधता के संतुलन और बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में इस विषय की अहम भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही विद्यार्थियों को शोध और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

## शैक्षणिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. घनश्याम ने कहा कि यह परिषद विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहयोग करेगी। शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और व्यावहारिक ज्ञान को सशक्त करने का प्रभावी मंच बनेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से परिषद की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया है।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 12-04-2026



दैनिक भास्कर, भिलाई-रायपुर, रविवार, 12 अप्रैल, 2026 | 23

पहल • व्याख्याताओं के अध्यापन कौशल को अधिक प्रभावी बनाया गया

# कोशिका भित्ति पौधों को मजबूती के साथ स्थायित्व प्रदान करती है

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संकाय समृद्धि कार्यक्रम की पांचवीं कड़ी आयोजित की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य व्याख्याताओं के अध्यापन कौशल को और अधिक प्रभावी बनाना तथा विषयगत समझ को गहराई देना रहा। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र में वनस्पति शास्त्र की अतिथि व्याख्याता रिया ठाकुर ने पादप कोशिका एवं उसके कार्य विषय पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने विषय को इस तरह प्रस्तुत किया कि जटिल वैज्ञानिक अवधारणाएं भी बेहद सरल और समझने योग्य बन गईं पादप कोशिका की संरचना को चरणबद्ध तरीके से समझाते हुए बताया कि कोशिका भित्ति पौधों को मजबूती और स्थायित्व प्रदान करती है, जिससे उनका आकार निश्चित रहता है। उन्होंने कोशिका झिल्ली की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कोशिका के भीतर और बाहर होने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करती है।

**हरितलवक की बताई भूमिका:** केंद्रक को कोशिका का नियंत्रण केंद्र बताते हुए कहा कि यह सभी जैविक क्रियाओं का संचालन करता है। वहीं, कोशिका द्रव्य को उन्होंने वह माध्यम बताया, जिसमें कोशिका के सभी घटक सक्रिय रहते हैं।

कुकदूर . संकाय समृद्धि कार्यक्रम में कॉलेज के स्टाफ मौजूद थे।

## व्याख्याताओं के लिए यह बहुत उपयोगी

कॉलेज प्रबंधन का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम व्याख्याताओं के ज्ञान को अद्यतन रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे न केवल शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि छात्रों तक विषय को बेहतर तरीके से पहुंचाने में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी व्याख्याता उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन किया गया।

## आने वाले समय में भी होंगे आयोजन

प्राचार्य ने इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि कॉलेज में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिल सके। संकाय समृद्धि कार्यक्रम की यह पांचवीं कड़ी कॉलेज में गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक कदम के रूप में देखी जा रही है।

## प्रश्नोत्तर सत्र में दिखी सक्रियता

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित व्याख्याताओं ने विषय को ध्यानपूर्वक सुना और बाद में प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाई। व्याख्याताओं ने पादप कोशिका की कार्यप्रणाली, उसके विभिन्न घटकों के बीच समन्वय और उनके व्यावहारिक उपयोग से जुड़े कई सवाल पूछे। रिया ठाकुर ने सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर देते हुए विषय को समझाया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 18-04-2026

**पहल •** कुकदूर कॉलेज में हिंदी परिषद का शुभारंभ, भाषा से समाज और शोध तक जोड़ने का संदेश

# हिंदी को सामाजिक सरोकार से जोड़ने, नवाचार पर जोर

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर में हिंदी परिषद का शुभारंभ किया गया। यहां विद्यार्थियों को भाषा के माध्यम से व्यापक सोच और क्रियान्वयन का संदेश दिया गया। महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का माहौल उत्साह और गरिमा से भरपूर रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम ने की, जबकि उद्घाटनकर्ता के रूप में शासकीय जेपीएम महाविद्यालय मुंगेली के सहायक प्राध्यापक सुधीर कुमार तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद

कुकदूर. कॉलेज में हिंदी परिषद का शुभारंभ हुआ।

अतिथियों का पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. हिरालाल शर्मा ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा या विषय नहीं है, बल्कि यह समाज, संस्कृति और जीवन को समझने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी को सामाजिक सरोकार से जोड़ने, शोध और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

## वैज्ञानिक सोच के साथ व्यवहारिक ज्ञान बढ़ाएं

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम ने हिंदी परिषद के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि यह मंच विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शैक्षणिक सक्रियता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से परिषद की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि इस तरह के मंच उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होंगे। इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी।

## हिंदी के प्रति रुचि विकसित करने उद्देश्य

कार्यक्रम में परिषद की गतिविधियों और उद्देश्यों को विस्तार से बताया। बताया कि हिंदी विषय के प्रति रुचि विकसित करना है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक सरोकारों से जोड़ना, शोध एवं प्रयोगात्मक कार्यों को बढ़ावा देना, संगोष्ठी, कार्यशाला और शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन इसके उद्देश्य हैं। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत ने किया। इस दौरान सफल आयोजन पर शाबाशी दी।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 19-04-2026

# शहर-समाज



नवाचार • कुई- कुकदूर स्थित नवीन महाविद्यालय में की गई पहल

## सरस्वती मुक्ताकाश मंच शुरू, अब किताबों के साथ ही संस्कृति पर जोर

भास्कर न्यूज | कुकदूर

बदलते दौर में जहां शिक्षा स्मार्ट क्लास और डिजिटल स्क्रीन तक सीमित होती जा रही है। वहीं कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र कुकदूर में एक अनोखी पहल ने सबका ध्यान खींचा है। शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई- कुकदूर में सरस्वती मुक्ताकाश मंच की शुरुआत कर शिक्षा को फिर से प्रकृति और भारतीय परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

यह पहल गुरुकुल परंपरा और भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की दिशा में प्रयोग मानी जा रही है। मुक्ताकाश मंच की सबसे खास बात यह है कि यहां पढ़ाई चारदीवारी के भीतर नहीं, बल्कि प्रकृति की गोद में खुले आसमान के नीचे होगी। इस मंच का उद्देश्य छात्रों के भीतर का संकोच दूर करना है। साथ ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बढ़ाना और संवाद, वाद-विवाद और प्रस्तुति के जरिए सीखने का अवसर देना है। यहां छात्र सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मंच पर आकर अपने विचारों को व्यक्त करेंगे और व्यवहारिक ज्ञान भी हासिल करेंगे।

कुकदूर. खुले आसमान के नीचे पढ़ाई।

### वनांचल के छात्रों को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

यह पहल खासतौर पर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब ये छात्र अपनी संस्कृति से जुड़े रहेंगे। आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख पाएंगे। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए भी तैयार हो सकेंगे।

### गुरुकुलम को बनाया पाठ्यक्रम का हिस्सा

महाविद्यालय ने शिक्षा को नया आयाम देते हुए गुरुकुलम को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। इसके तहत छात्र सीखे हुए ज्ञान को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। प्राचीन विज्ञान, गणित, दर्शन और लोक संस्कृति को पढ़ाई में शामिल किया गया है। अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

### मंच पर भविष्य में होंगे नए आयोजन

मुक्ताकाश मंच के जरिए भविष्य में नए आयोजन किए जाएंगे। कार्यशालाएं होंगी, व्याख्यान माला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षणिक संवाद जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इससे छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के नेतृत्व में यह पहल कर रहे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 20-04-2026

# छात्र विकास: व्यक्तित्व निखार के दिए टिप्स

कुक्दूर| कुई-कुक्दूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास को लेकर छात्र विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के निर्देशन और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राचार्य प्रो. घनश्याम ने व्यक्तित्व विकास विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। छात्रों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही उन्हें आगे बढ़ाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए संवाद कौशल विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के टिप्स दिए। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने अपने सवाल रखे, जिनका प्राचार्य ने विस्तार से समाधान किया। इससे विद्यार्थियों को अपने करियर और व्यक्तित्व विकास को लेकर दिशा मिली।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 23-04-2026

# कार्यशाला में डिजिटल शिक्षा प्रणाली ई-लाइब्रेरी, ई-बुक्स की दी जानकारी

भास्कर न्यूज़ | कुकदूर

कुकदूर. ई- संसाधनों की जारूकता विषय पर चर्चा।

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में बुधवार को एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में ई-संसाधनों की जागरूकता और उपयोग विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के निर्देशन में और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पहल पर किया गया।

यह कार्यक्रम शासकीय केआरडी कॉलेज नवागढ़ (बेमेतरा) के साथ हुए एमओयू के तहत हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता केआरडी कॉलेज नवागढ़ की ग्रंथपाल हेमा साहू रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में डिजिटल शिक्षा प्रणाली, ई-लाइब्रेरी, ऑनलाइन जर्नल्स, ई-बुक्स और शोध पोर्टल्स के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली तेजी से डिजिटल हो रही है और शिक्षकों को ई-संसाधनों से जुड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल शिक्षण संसाधनों से जोड़कर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना था। सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य, आईक्यूएसी समन्वयक, सभी शैक्षणिक स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में वक्ता को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 25-04-2026

पहल • फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम में कॉमर्स की बुनियादी समझ पर जोर, पढ़ाई को कॅरियर से जोड़ने कहा

# ज्ञान का मंथन, वाणिज्य के मूल सिद्धांतों से रूबरू हुए छात्र

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक पहल करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के तत्वावधान में फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम (Vol. 06) का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रोफेसर जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को वाणिज्य विषय की बारीकियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. धीरज शर्मा का व्याख्यान रहा, जिन्होंने वाणिज्य के मूल सिद्धांत विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरल भाषा में वाणिज्य की मूल अवधारणाओं को समझाते हुए बताया कि यह विषय केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, प्रबंधन, लेखांकन, बैंकिंग और पूरी अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ा है।

कुकदूर. कार्यक्रम में वाणिज्य के संबंध में जानकारी दी गई।

## कॉमर्स: पढ़ाई ही नहीं, जीवन की समझ भी

डॉ. शर्मा ने अपने व्याख्यान में जोर देते हुए कहा कि वाणिज्य छात्रों को आर्थिक गतिविधियों की समझ देने के साथ-साथ व्यावसायिक सोच विकसित करता है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे कॉमर्स का ज्ञान रोजमर्रा की जिंदगी और भविष्य के करियर दोनों में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में विषय के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं। इस तरह का संवादात्मक माहौल कार्यक्रम के लिए बेहतर है।

## शिक्षकों व छात्रों की रही सक्रिय भागीदारी

इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सभी ने ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताते हुए ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से करने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो.जीए घनश्याम, डॉ. एसी वर्मा, डॉ. सीएस राजपूत, रामरती निषाद सहित अन्य संकाय के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 27-04-2026

अंग्रेजी भाषा दिवस: प्राचार्य बोले: अंग्रेजी डर नहीं, अवसर का द्वार, यह वैश्विक भाषा

# झिझक तोड़ो, अंग्रेजी बोलो: कुई-कुकदूर कॉलेज में इंग्लिश डे पर दिया गया मूलमंत्र

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में अंग्रेजी विभाग द्वारा अंग्रेजी भाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में अंग्रेजी भाषा को लेकर बनी झिझक को खत्म करना और उन्हें इसे दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अंग्रेजी सीखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व कॉलेज के प्राचार्य डॉ.घनश्याम ने अपने संबोधन में कहा कि आज के वैश्विक युग में अंग्रेजी केवल एक विषय नहीं, बल्कि संवाद का सशक्त माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में अंग्रेजी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अंग्रेजी से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसे सीखकर अपने व्यक्तित्व और करियर को नई दिशा दें। यह भाषा न केवल ज्ञान का माध्यम है, बल्कि दुनिया को जोड़ने वाली कड़ी भी है।

कुकदूर. कार्यक्रम में अंग्रेजी विषय को लेकर चर्चा हुई।

## अंग्रेजी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें स्टूडेंट्स

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा ने अंग्रेजी को एक कला बताते हुए कहा कि इसे निरंतर सुनने और बोलने के अभ्यास से आसानी से सीखा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अंग्रेजी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, जिससे आत्मविश्वास के साथ-साथ बहुमुखी कौशल का विकास होगा। एक-दूसरे से अंग्रेजी में बात करने की प्रैक्टिस करना भी अत्यंत जरूरी है।

## सक्रिय भागीदारी, उत्साहपूर्ण माहौल रहा, प्रेरणा भी दी गई

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. संदीप बघेल ने किया। समापन अवसर पर डॉ.सीएस राजपूत ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कॉलेज का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा और विद्यार्थियों में अंग्रेजी सीखने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण अंचलों में अक्सर अंग्रेजी को लेकर भय और झिझक देखने को मिलती है, लेकिन ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाने का काम कर रहे हैं। इसी तरह प्रैक्टिकल अप्रोच जरूरी है।

पर्षद (प्रतीक) ने भी विचार रखे।

# कुई-कुकदूर कॉलेज में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण करने लिया संकल्प

पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण पर दिया गया जोर

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई कुकदूर में पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम कॉलेज प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के निर्देशन में भूगोल विभाग के तत्वावधान में आयोजित हुआ,जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ अध्यापक प्रो. एसी वर्मा के स्वागत भाषण से हुई।

उन्होंने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है और इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शासकीय नवीन कन्या कॉलेज गोबरा-नवापारा, रायपुर की सहायक प्राध्यापिका डॉ. तिशा डे रहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन व जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए गंभीर संकट बन चुके हैं।

कुकदूर . प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी दी गई।

दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलावों के महत्व को समझाते हुए प्लास्टिक के कम उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने और पेन बिन जैसे सरल उपायों को अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि ऐसे छोटे प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

**जिम्मेदारी निभाने का दिया संदेश:** प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति यदि अपने स्तर पर प्रयास करे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है। कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन भूगोल विभाग के डॉ. कौसर नाजमी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मंच संचालन विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम और भी प्रभावशाली बना। अंत में रामरति निषाद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लिया और स्वच्छ व हरित वातावरण बनाने का संदेश भी दिया गया।

उच्च शिक्षा : समझौते से दोनों कॉलेजों के बीच होगा शैक्षणिक सहयोग

# शिक्षा शोध के लिए दो कॉलेजों के बीच हुआ समझौता, नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**नवागढ़.** उच्च शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर के बीच गुरुवार को 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, शोध एवं नवाचार गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस दौरान दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य, आईक्यूएसी प्रभारी, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

शासकीय महाविद्यालय नवागढ़ के प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडे ने कहा कि बदलते समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि कौशल, तकनीक और नवाचार से जुड़ना आवश्यक हो गया है। यह एमओयू विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। कुई-कुकदुर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एजी घनश्याम ने कहा कि यह समझौता "ज्ञान के आदान-प्रदान का मजबूत मंच" साबित होगा। इससे शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर मिलेंगे तथा शोध कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारियों व प्रतिनिधियों नेऔपचारिक रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा एक-दूसरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर सहयोग को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

## इन क्षेत्रों में होगा विशेष सहयोग

- संयुक्त शोध परियोजनाएं एवं शोध पत्र प्रकाशन,
- वर्कशॉप और अकादमिक सम्मेलन,
- छात्र-शिक्षक विनिमय कार्यक्रम
- विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण,
- स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा,
- डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लासरूम का विस्तार ।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Sanskardhani Bhoomi - 27 Sep 2025 - Page 7

# कुई-कुकदुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶कुई कुकदूर

शुक्रवार को शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई कुकदुर एवं सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन पर्यटन एवं विकास विषय पर 26 एवं 27 सितम्बर को आयोजन किया गया, कॉन्फ्रेंस की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसी वर्मा ने संबोधन देते हुए अपने विचार व्यक्त कॉन्फ्रेंस का संचालन कर रहे सहायक प्राध्यापक रामरति निषाद किए, व्याख्याता संजय तिवारी एवं मुख्य अतिथि, डॉ प्रमोद कुमार कुलपति, अभ्योदय विश्वविद्यालय, खरगोन मध्यप्रदेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर देश-विदेश के अनेक विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कॉन्फ्रेंस में प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ जीए घनश्याम (संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा छग), डॉ डीके श्रीवास्तव (विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा रायपुर), व्याख्याता डॉ मकारियो गायेटा (फिलीपींस), डॉ

गुल एरकोल बायरम (तुर्की), डॉ एन्केलेदा लुलाज (यूरोप), व्याख्याता डॉ लोकेश्वर सिंह जोधाना, डॉ कुबेर सिंह गुरुपंच, व्याख्याता एम देवेंद्र, डॉ अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ त्रिलोचन कुमार उपस्थित थें। अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, संस्कृति एवं आर्थिक दृष्टिकोण से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यमों से शोधार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने किया तथा आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 27-09-2025

# पर्यटन व विकास विषय पर विद्वानों ने रखे विचार

कुकदूर| ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। शुक्रवार को सम्मान की शुरुआत हुई, जहां पर्यटन एवं विकास विषय पर विद्वानों ने अपने विचार रखे। सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में यह सम्मेलन हो रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसी वर्मा ने स्वागत संबोधन दिया। संचालन सहायक प्राध्यापक रामरति निषाद ने किया। मुख्य अतिथि अभ्योदय विश्वविद्यालय खरगोन (मप्र) के प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, और प्रो. संजय तिवारी ने विचार साझा किए। सम्मेलन में प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ. जीए घनश्याम, डॉ. डीके श्रीवास्तव, डॉ. मकारियो गायेटा (फिलीपींस), डॉ. गुल एरकोल बायरम (तुर्की), डॉ. एन्केलेदा लुलाज (यूरोप) सहित देश-विदेश के कई विद्वानों ने शिरकत की। इस अवसर पर शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

# विकसित भारत की थीम पर प्रतिभागियों ने बनाई रंगोली

कुकदूर| ग्राम कुई-कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता हुई। प्रतिभागियों को स्वच्छता पखवाड़ा और विकसित भारत की थीम दी गई थी। दोनों विषयों पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसी वर्मा और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रामरती निषाद के निर्देशन में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य दीपा धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विदेशी राम धुर्वे और सोनू सलूजा, दशरथ कुंभकार, भगऊराम धुर्वे व विजय गढ़ेवाल उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी अतिथि व्याख्याताओं और छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 02-05-2026

बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। टकराव छोड़कर काम पर ध्यान दें। शांत रहें। रहेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी। फसल ल

**फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम** • कीटों के महत्व पर हुआ कार्यक्रम, विद्यार्थियों को दी गई विस्तार से जानकारी

# कुई-कुकदूर कॉलेज में विशेषज्ञ बोले- कीट ही हैं जैविक संतुलन, खाद्य श्रृंखला की मजबूत कड़ी

भास्कर न्यूज|कुकदूर

आमतौर पर कीटों को केवल फसलों के दुश्मन के रूप में देखा जाता है, लेकिन हकीकत इससे कहीं अलग है। कीट न सिर्फ कृषि व्यवस्था के अहम हिस्से हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता और खाद्य श्रृंखला को बनाए रखने में भी उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यही संदेश शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आयोजित फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम में उभरकर सामने आई।

कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. जीए घनश्याम के निर्देशन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम अंतर्गत कीटों के महत्व विषय पर कार्यक्रम हुआ। कॉलेज के प्राणिशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक रामरति निषाद मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में उन्होंने कीटों के पारिस्थितिकी एवं आर्थिक महत्व को सरल और वैज्ञानिक तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि यदि कीट न हों, तो कई फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है, क्योंकि परागण की प्रक्रिया में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मधुमक्खी, तितलियों और अन्य परागण करने वाले कीटों के बिना खाद्य उत्पादन की कल्पना करना भी मुश्किल है।

कुकदूर. कॉलेज में हुए इस प्रोग्राम में कीट प्रबंधन को लेकर जानकारी दी गई।

## शैक्षणिक व शोध कौशल को सुदृढ़ करने की पहल

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षणिक व शोध कौशल को सुदृढ़ करना था, जिसमें कॉलेज को सफलता भी मिली। पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला और विषय के प्रति उनकी जिज्ञासा भी स्पष्ट नजर आई। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा, डॉ.सीएस राजपूत समेत कॉलेज के अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इसे ज्ञानवर्धक व उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

## मित्र कीट से खेती की लागत घटती है: रामरति निषाद

यह भी स्पष्ट किया कि कीटों को केवल नुकसानदायक मानना एक अधूरी समझ है। कई कीट ऐसे होते हैं जो प्राकृतिक रूप से हानिकारक कीटों को नियंत्रित करते हैं, जिससे रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता कम होती है। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहता है, बल्कि किसानों की लागत भी घटती है। जैव विविधता में कीटों के योगदान पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कीट खाद्य श्रृंखला का अहम हिस्सा हैं, जिन पर कई पक्षी, उभयचर और अन्य जीव निर्भर रहते हैं। यदि कीटों की संख्या में असंतुलन होता है, तो इसका असर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है।

## पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में कीटों की अहम भूमिका

कार्यक्रम में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में कीटों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। बताया गया कि कीट मृत जैविक पदार्थों के अपघटन में मदद करते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। इसके अलावा, कई कीट औषधीय व औद्योगिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होती है और वे अपने विषय को और बेहतर तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार व अद्यतन जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 05-05-2026

स्वास्थ्य केंद्र से एक नर्स को बुलवाया गया, तब जाकर स्थिति संभली।

# कॉलेज में फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम वाणिज्य और व्यापार पर हुआ मंथन

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय वाणिज्य और व्यापार रखा गया, जिसमें वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव कुशवाहा ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। उन्होंने वाणिज्य एवं व्यापार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। डॉ. कुशवाहा ने अपने व्याख्यान में कहा कि वाणिज्य केवल एक अकादमिक विषय नहीं, बल्कि यह मानवीय आकांक्षाओं को साकार करने की शक्ति रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर अवसरों की जानकारी दी और उन्हें नई संभावनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, बाजार व्यवस्था, डिजिटल व्यापार और आर्थिक विकास में वाणिज्य की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इससे उपस्थित प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को समकालीन आर्थिक परिदृश्य को समझने का अवसर मिला।

कुकदूर. कार्यक्रम में कॉलेज के कर्मचारी मौजूद थे।

**प्राचार्य ने की सराहना:** इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य समेत सभी संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा, डॉ. सीएस राजपूत, रामरति निषाद सहित अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। इस तरह का आयोजन शिक्षकों और विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ अकादमिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 06-05-2026

# कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू हुआ

कुकदूर| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में शिक्षकों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर जीए घनश्याम ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए शिक्षकों को प्रस्तुतीकरण कौशल में निपुण होना चाहिए। प्रशिक्षण के मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के डॉ. धीरज शर्मा रहे। पहले दिन उन्होंने एमएस वर्ड की बारीकियों, डॉक्यूमेंटेशन तकनीकों और कार्यस्थल पर आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम 9 मई तक प्रतिदिन शाम 4 से 5:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें शिक्षकों को पीपीटी निर्माण के उन्नत तरीके सिखाए जाएंगे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 25-06-2026

कॉलेज-स्कूल समन्वय का अनूठा प्रयास • बच्चों को दिखाया करियर का रास्ता, कोदवागोडान में उच्च शिक्षा की नई अलख जगाई

# स्कूल पहुंचे प्रोफेसर, छात्रों से कहा- लक्ष्य तय करें, विज्ञान और भाषा कौशल से संवारें भविष्य

भास्कर न्यूज | कुकदूर

वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर के अवसरों से जोड़ने की पहल के तहत शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक स्कूल ग्राम कोदवागोडान में विशेष अकादमिक एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापकों ने स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को न केवल उच्च शिक्षा की जानकारी दी, बल्कि उनके भीतर भविष्य को लेकर नई सोच और आत्मविश्वास भी जगाया।

कार्यक्रम संस्था के सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) के तहत आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण और वनांचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, करियर निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, व्यक्तित्व विकास और वैज्ञानिक सोच के प्रति जागरूक करना था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के नेतृत्व में शिक्षकों का दल स्कूल पहुंचा, जहां स्कूल परिवार ने उनका स्वागत किया। इसके बाद विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने खुलकर अपने सवाल रखे और विशेषज्ञ शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

## कॉलेज के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के भीतर भविष्य को लेकर नई सोच और आत्मविश्वास भी बढ़ाया

कुकदूर. स्कूली बच्चों को करियर संबंधित जानकारी दी गई।

### वनांचल के बच्चों तक पहुंची उच्च शिक्षा की रोशनी

ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं। अक्सर जानकारी के अभाव में कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा के अवसरों से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में स्कूलों तक पहुंचकर मार्गदर्शन देना उनके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में स्कूल परिवार ने कॉलेज के शिक्षकों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

### समस्याओं के समाधान का सबसे बड़ा हथियार है विज्ञान

रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एसी वर्मा ने विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता समझाते हुए कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन की समस्याओं को हल करने की प्रभावी पद्धति है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनने, प्रयोग करने और नवाचार की दिशा में सोच विकसित करने का संदेश दिया।

### शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा पास करना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व, सोच और सामाजिक चेतना को विकसित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। साथ ही कॉलेज में उपलब्ध पाठ्यक्रमों और सुविधाओं की जानकारी भी साझा की।

### विद्यार्थियों को रोजगार व प्रतियोगी परीक्षाओं पर मिला मार्गदर्शन

प्राणिशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने विद्यार्थियों को विज्ञान विषयों में उपलब्ध करियर और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और वैज्ञानिक चेतना के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों पर उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा संवादात्मक सत्र रहा। विद्यार्थियों ने विषय चयन, कॉलेज प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार संभावनाओं और करियर निर्माण से जुड़े कई सवाल पूछे। शिक्षकों ने विस्तार से जवाब देते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की शैक्षणिक और व्यावसायिक संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

### भाषा व अभिव्यक्ति को सफलता की कुंजी बताया, महत्व समझाया

हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को भाषा और संप्रेषण कौशल के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रभावी अभिव्यक्ति व्यक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करती है। नियमित अध्ययन, पठन-पाठन और साहित्यिक गतिविधियों में भागीदारी से व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है।

दैनिक भास्कर

कवर्धा-बेमेतरा 23-06-2026

विशेष शिविर • मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी लिया संकल्प

# भैसाओदार की वादियों में गूंजा योग का संदेश एनएसएस विद्यार्थियों ने किया ध्यान-प्राणायाम

भास्कर न्यूज | कुकदूर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने योग और प्रकृति संरक्षण का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कबीरधाम जिले के प्रसिद्ध प्राकृतिक पर्यटन स्थल भैसाओदार में आयोजित विशेष योग शिविर और जागरूकता कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ युवाओं को प्रकृति के करीब रहने का संदेश भी दिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के निर्देशन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रामरती के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सुबह से ही भैसाओदार के मनमोहक वातावरण में छात्र-छात्राएं एकत्र हुए और योगाभ्यास के माध्यम से दिन की शुरुआत की।

**विभिन्न योगासन, प्राणायाम किए** कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति सहित कई महत्वपूर्ण योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों को सही श्वास तकनीक, शरीर की लचक बढ़ाने और मानसिक एकाग्रता विकसित करने के तरीके बताए।

कुकदूर. भैसाओदार में योग दिवस पर पहुंचे कुकदूर कॉलेज के एनएसएस विद्यार्थी।

## प्रतिभागियों को एक अलग अनुभव मिला

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसे किसी भवन या सभागार के बजाय भैसाओदार जैसे प्राकृतिक स्थल पर आयोजित किया गया। चारों ओर हरियाली, पहाड़ों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच योगाभ्यास करने से प्रतिभागियों को एक अलग अनुभव मिला। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति के महत्व से जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी था। योग सत्र के बाद विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रकृति और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध पर चर्चा की गई।

## योग को जीवन जीने की एक समग्र पद्धति बताया

प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करती है। आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग करने की सलाह देते हुए कहा गया कि इससे न केवल स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि अध्ययन, दैनिक कार्यों में भी एकाग्रता बढ़ती है।

## कंझेटा विद्यालय में मंत्र का उच्चारण कर साधना की

कुंडा| हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम कंझेटा में भी 21 जून को योग दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित योगाचार्य निमेश चंद्रवंशी, संगीता चंद्रवंशी द्वारा स्कूली बच्चों, ग्रामीणों, शिक्षकों व स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों को योगाभ्यास कराया। संस्था प्राचार्य संजय वैष्णव ने बच्चों को जीवन में नियमित योग व ध्यान का महत्व बताया। कार्यक्रम की शुरुआत ओंकार ध्वनि, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। यहां कई प्रकार के योगाभ्यास कराए गए। इस मौके पर शिवानी वर्गिस, नंदनी लांझेकर, सुषमा लांझेकर, हीरालाल चंद्रवंशी, मोहन शर्मा, परमेश मरावी, गोकुल चंद्रवंशी समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 21-06-2026

मार्गदर्शन • नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने कामठी में विद्यार्थियों को किया जागरूक

# शिक्षा ग्रहण कर बेहतर करियर बनाने किया प्रेरित

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने संस्थागत सामाजिक दायित्व (आईएसआर) के तहत ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम कामठी में विशेष अकादमिक कार्यक्रम किया। प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने स्कूली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राध्यापकों एवं स्टाफ ने विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विशेष कक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन दिया।

अंग्रेजी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जटिल अवधारणाओं को सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और विषयों के प्रति रुचि बढ़ी। विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसिलिंग सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों तथा व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और शिक्षा को सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम मानने के लिए प्रेरित किया गया।

कुकदूर. हायर सेकेंडरी स्कूल कामठी में बच्चों को करियर मार्गदर्शन दिया।

**संयुक्त बैठक में शिक्षा संबंधित हुई चर्चा:** अकादमिक सत्र के बाद शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर के प्राध्यापकों व ग्राम कामठी स्कूल के प्रबंधन और शिक्षकों के बीच संयुक्त बैठक हुई। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, विद्यार्थियों को कॉलेज जीवन के लिए तैयार करने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए साझा प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों संस्थानों ने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

## स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना जरूरी

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की ओर से यह संदेश दिया गया कि शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के प्रयास से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास होता है। वे उच्च शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक होकर अपने भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले पाते हैं। इस आयोजन में कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा, डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत, रामरती निषाद व स्कूल की प्राचार्य हेमलता टंडन आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 19-06-2026

कुई-कुकदूर कॉलेज की अनूठी पहल • युवाओं ने सीखा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पाठ

# 1200 फीट ऊंचे पहाड़ पर बसे सेजाडीह पहुंची शिक्षा की टोली, बच्चों को बांटी अध्ययन सामग्री

भास्कर न्यूज | कुकदूर

घने जंगल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते और समुद्र तल से करीब 1200 फीट की ऊंचाई पर बसा छोटा सा गांव सेजाडीह। जहां पहुंचना आसान नहीं, लेकिन शिक्षा और सेवा का जज्बा लेकर शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदुर के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं वहां तक पहुंचे। उनका उद्देश्य सिर्फ अध्ययन सामग्री बांटना नहीं था, बल्कि उन बच्चों तक यह संदेश पहुंचाना था कि समाज उनके साथ खड़ा है और उनके सपनों की उड़ान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) के तहत आयोजित इस विशेष अभियान ने यह साबित किया कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक तैयार करने की प्रक्रिया भी है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के नेतृत्व में कॉलेज परिवार ने वनांचल के बच्चों के बीच पहुंचकर शिक्षा और सामाजिक दायित्व का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इसकी सराहना की गई।

## वनांचल में जहां सड़कें मुश्किल थीं, वहां विद्यार्थियों ने बच्चों के सपनों को दिया सहारा

कुकदूर . कॉलेज की टीम ने बच्चों को नाश्ता दिया।

### शिक्षा को जीवन बदलने का बड़ा माध्यम बताया

प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने बच्चों को नियमित स्कूल आने और शिक्षा को जीवन बदलने का सबसे बड़ा माध्यम बताते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जो दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को भी नई पहचान दिला सकती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की कार्यक्रम अधिकारी रामरती निषाद ने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना हर शिक्षित युवा का कर्तव्य है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सेवा, नेतृत्व और संवेदनशीलता की भावना विकसित करते हैं, जो भविष्य में एक बेहतर समाज के निर्माण की आधारशिला बनते हैं।

### सामाजिक उत्तरदायित्व का दिया गया संदेश

यह आयोजन केवल अध्ययन सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह शिक्षा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का ऐसा संदेश बन गया, जिसने यह साबित कर दिया कि जब युवा समाज के लिए आगे आते हैं तो दूरियां भी छोटी पड़ जाती हैं और उम्मीदों की नई रोशनी सबसे दूर बसे गांवों तक पहुंच जाती है।

### कॉलेज परिवार के इस प्रयास की सराहना की, आगे भी जारी रखेंगे

इस अभियान की सफलता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं उमाशंकर गबेल, स्नेहा तिवारी, जया वर्मा, श्रुति वर्मा, पुष्पलता, सविता व पूर्णिमा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्गम पहाड़ी रास्तों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। स्थानीय ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंधन ने कॉलेज परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें यह भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यधारा का समाज उनके विकास को लेकर गंभीर है।

### बच्चों के चेहरों पर दिखा उत्साह

सेजाडीह स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में जैसे ही कॉलेज की टीम पहुंची, बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ दिखाई देने लगा। स्वयंसेवकों ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें कॉपी, पेन, पेंसिल, रंग सहित अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री वितरित की। छोटे-छोटे हाथों में नई कॉपियां और रंगीन पेंसिल आते ही बच्चों की मुस्कान इस पहल की सबसे बड़ी सफलता बन गई। इसके साथ ही सभी बच्चों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।